वैश्विक पहचान की ओर बढ़ता राष्ट्रीय उद्यान

यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुआ कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अपनी अनूठी जैव विविधता और समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के कारण, यह राष्ट्रीय उद्यान अब विश्व धरोहर स्थलों का संभावित दावेदार बन गया है। यह छत्तीसगढ़ के पर्यटन और संरक्षण प्रयासों के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।अधिकारियों ने बताया कि कांगेर घाटी की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता और ऐतिहासिक महत्त्व ने इसे इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान दिलाया है। दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण विभाग ने इसे वैश्विक पहचान दिलाने की योजना बनाई थी। विशेषज्ञों ने इसकी पारिस्थितिकी, वनस्पति, जीव-जंतु और पुरातात्विक धरोहर का गहराई से अध्ययन किया और फिर यूनेस्को को प्रस्ताव भेजा गया। पहली बार है जब छत्तीसगढ़ के किसी स्थल को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। आने वाले वर्षों में यह स्थायी विश्व धरोहर स्थल के रूप में भी मान्यता प्राप्त कर सकता है। यहां पाई जाने वाली दुर्लभ प्रजातियों में ऊदबिलाव, माउस डियर, जायंट गिलहरी, लेथिस सॉफ्टशेल कछुआ और जंगली भेड़िया शामिल हैं। इसके अलावा, उद्यान में पक्षियों की 200 से अधिक प्रजातियां और 900 से अधिक प्रकार की वनस्पतियां मौजूद हैं। यहां तितलियों की 140 से अधिक प्रजातियां भी पाई जाती हैं। यूनेस्को की अस्थायी सूची उन स्थलों की सूची होती है, जिन्हें भविष्य में विश्व धरोहर का दर्जा दिया जा सकता है।

यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम होता है, जिससे किसी भी स्थान को वैश्विक संरक्षण और पहचान मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान की खासियत

पार्क की जैवविविधता इसको बेहद खास बनाती है। ये पहाड़ी मैना का प्राकृतिक आवास भी है, जो इंसानों की तरह बोल सकती है।

पार्क में कोटमसर समेत लाइम स्टोन की 16 प्राकृतिक गुफाएं हैं। ये गुफाएं लाखों साल पुरानी हैं और खास बात ये है कि ये अभी भी जिंदा हैं। यही चीज इन गुफाओं को देश के बाकी हिस्सों की गुफाओं से अलग बनाती है। चूना पत्थरों की नई संरचनाओं का निर्माण जारी है। इस गुफाओं में अंधी मछलियों से लेकर बहुत तरह के जीव जंतु, पार्क की एक और खासियत यहां के धुरवा आदिवासी हैं, जो अपने साथ हजारों सालों की सभ्यता समेटे हुए हैं और जंगल को संरक्षित करने में योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने जताई खुशी

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस सफलता को राज्य के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा, कांगेर घाटी का यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल होना हमारी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम है। इससे पर्यटन और रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। हम अपनी धरोहरों के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे।

रहस्यमयी गुफाओं और दुर्लभ प्रजातियों का घर

कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान केवल घना जंगल नहीं है, बल्कि यह एक अद्भुत प्राकृतिक और ऐतिहासिक धरोहर भी है। यहां 15 से अधिक रहस्यमयी चूना पत्थर की गुफाएं हैं, जिनमें कोटमसर, कैलाश और दंडक गुफाएं प्रमुख हैं। ये गुफाएं न केवल भूवैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, ऐतिहासिक और पुरातात्विक कहानियों को भी समेटे हुए हैं।

स्थानीय विकास को मिलेगा बढ़ावा

अधिकारियों ने बताया कि इस उपलब्धि से न केवल कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को संरक्षण और पर्यटन के रूप में बढ़ावा मिलेगा, बल्कि आसपास के गांवों और स्थानीय समुदायों को भी आर्थिक रूप से फायदा होगा। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में स्थित है। इसका नाम कांगेर नदी से लिया गया है। यह राष्ट्रीय उद्यान 200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ महिला मंच को देवी अहिल्याबाई सम्मान

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

संस्कृति विभाग महाराष्ट्र मंडल एवं क्रिएटिव क्रिएशन के संयुक्त तत्वाधान में महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ महिला मंच को महिला सशक्तिकरण, महिला स्वावलंबन के लिए देवी अहिल्याबाई सम्मान से सम्मानित किया गया। 1990 से कार्यरत इस संस्था ने संपूर्ण छत्तीसगढ़ में अब तक 40 हजार से अधिक महिलाओं को स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया है। विशेषकर जनजातीय समाज की महिलाओं को सुकमा, दंतेवाड़ा, जिला बस्तर जशपुर में स्वावलंबन पर प्रशिक्षण, प्रदान कर 800 से ज्यादा स्वयं सहायता समूहों का निर्माण किया और बैंक लिंकिंग कर समूहों का व्यवसाय आरंभ करवाया है। समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, में भी सर्वदा लाइफ ब्रांड से ब्रांडिंग संस्था द्वारा की जाती है। छत्तीसगढ़ महिला मंच को वर्ष 2004 में महिला कल्याण के क्षेत्र में राज्य शासन द्वारा राज्य अलंकरण मिनीमाता सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। सम्मान प्राप्त करने मंच पर महिला मंच की उन सदस्यों को स्थान दिया गया जिन महिलाओं ने सम्मान प्राप्त किया उनमें सविता भागडीकर, शताब्दी सुबोध पांडे, गितांजलि दलाल, सरिता पटेल, वर्षा मिश्रा, ज्योति लहेजा, शोभा सोनी, लक्ष्मी यादव, लता चौधरी, प्रीति भट्ट, शशि भट्ट, अर्चना वोरा, मीनू व्यास, शेफाली पुरोहित, अर्चना जैन, दीपा सोनी, पुष्पा साहू, संध्या बडोले, नम्रता चंद्राकर, मंजूषा संत शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

रायपुर रेल मंडल के 11 स्टेशनों में ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन की सुविधा

रायपुर। रायपुर रेल मंडल में अब यात्रियों को बिना कतार में लगे अनारक्षित टिकट प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी। डिजिटल टिकटिंग को प्रोत्साहित करने और सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देने के लिए रेलवे प्रशासन ने 11 प्रमुख स्टेशनों पर 19 ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन स्थापित की हैं। इसके साथ ही, यात्रियों को मोबाइल ऐप के माध्यम से भी डिजिटल टिकट बुकिंग और भुगतान की सुविधा दी जा रही है। डिजिटल टिकटिंग और भुगतान के लाभः यात्री बिना कतार में लगे ऐप से जनरल (अनारक्षित) टिकट प्राप्त कर सकते हैं। क्यूआर कोड और आर-वालेट के माध्यम से डिजिटल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। आर-वालेट से भुगतान करने पर यात्रियों को 3% का अतिरिक्त बोनस मिलता है। ऑन मोबाइल ऐप से यात्री किसी भी स्टेशन का टिकट घर बैठे बुक कर सकते हैं। इस पहल से यात्रियों को नकद लेन-देन की परेशानी और खुले पैसे की समस्या से मुक्ति मिलेगी। डिजिटल भुगतान से टिकटिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और अनियमितताओं से बचाव होगा।यात्रियों का समय बचेगा और टिकट लेने की प्रक्रिया सरल और सुरक्षित होगी। यात्रियों की सहायता के लिए उठाए गए कदमःवरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश कुमार त्रिवेदी के मार्गदर्शन में वाणिज्य विभाग की टीम यात्रियों को ऑन लाइन मोबाइल ऐप के प्रयोग के लिए प्रेरित कर रही है। रेलवे ने फेसिलिटेटर की नियुक्ति की है, जो यात्रियों को टिकट निकालने में सहायता करेंगे।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत, दो भागों में कटा शरीर

रायपुर। रायपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन पर देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ, जहां एक युवक चलती ट्रेन के सामने गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ट्रेन गुजरते ही युवक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया, जिससे स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि युवक अचानक पटरी पर जा गिरा और तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद रेलवे स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस (जीआरपी) और आरपीएफ मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल, मृतक की पहचान नहीं हो सकी है, पुलिस मामले की जांच कर रही है कि यह दुर्घटना थी या आत्महत्या।

वनश्री इंटरप्राइजेस से लगभग 200 किग्रा प्रतिबंधित पॉलीथिन जप्त किया

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणिग्रही के नेतृत्व में जोन 3 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे के निर्देश पर छत्तीसगढ़ राज्य पर्यावरण संरक्षण मण्डल क्षेत्रीय कार्यालय के वैज्ञानिक मानिक चंदेल, उप अभियंता एस. के. चैधरी, निगम जोन 3 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी पूरन ताण्डी सहित जोन के अन्य सम्बंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में पुलिस प्रशासन बल के सहयोग से राजधानी शहर रायपुर के पंडरी बाजार क्षेत्र में समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से दुकानों में प्रतिबंधित पॉलीथिन की आकस्मिक जाँच और स्थल निरीक्षण किया. आकस्मिक निरीक्षण के दौरान पंडरी बाजार क्षेत्र में वनश्री इंटरप्राइजेस दुकान से लगभग 200 किलोग्राम (लगभग एक टाटा 407 वाहन को भरकर) प्रतिबंधित पॉलीथिन को जप्त कर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर जोन 3 के जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री पूरन ताण्डी ने सम्बंधित दुकान संचालक को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी दी है।

रायपुर में गीले कचरे से बनेगी बायो गैस, 18 महीने में 60 करोड़ रुपए से बनेगा प्लांट

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

राजधानी में गीला कचरा अब बेकार नहीं जाएगा। नगर निगम ने गीले कचरे से बायो गैस बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है।रावांभाठा क्षेत्र में स्थित आठ एकड़ जमीन पर कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट लगाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट भारत पेट्रोलियम कंपनी द्वारा 60 करोड़ रुपये की लागत से 18 महीनों में तैयार किया जाएगा।इस प्लांट में सब्जी बाजार, उद्यानों और अन्य शहरी क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले गीले कचरे को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। कचरे से बायो गैस उत्पन्न होगी, जो पेट्रोलियम उत्पादों के लिए एक वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत के रूप में काम करेगी।रावांभाठा क्षेत्र में स्थित आठ एकड़ जमीन पर कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट लगाया जाएगा। इसे 60 करोड़ रुपये की लागत से 18 महीनों में तैयार किया जाएगा। - विशेषज्ञ, कमिश्नर, नगर निगम रायपुरबायो खाद का भी होगा निर्माणगीले कचरे से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल को खाद के रूप में उपयोग किया जाएगा, जिससे कचरे का उचित निपटान होगा और जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा।ग्रामीण इलाकों से भी एकत्रित होगा गीला कचरानगर निगम को रोज 100 टन गीला कचरा प्लांट में पहुंचाना होगा। इसके लिए नगर निगम ने शहरी क्षेत्रों में स्थित बगीचों, सब्जी बाजारों और गोबर कचरे के स्रोतों से तालमेल बैठाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही बिरगांव, खरोरा, अभनपुर, तिल्दा नेवरा जैसे क्षेत्रों से भी गीला कचरा एकत्र किया जाएगा।होगा यह फायदाबायो गैस का वाहनों के ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकेगा।गीले कचरे के उचित निपटान से राजधानी का प्रदूषण कम होगा।वेस्ट मटेरियल का उपयोग जैविक खाद के रूप में किया जाएगा।प्लांट बनने से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। प्लांट का विरोध हो गया शुरू, बर्दाश्त नहीं करेंगी जनतारावांभाठा में लगने वाले बायो गैस कंप्रेस्ड प्लांट का बिरगांव नगर निगम ने विरोध शुरू कर दिया है। नगर निगम बिरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन और एमआईसी सदस्य इकराम अहमद ने कहा कि बिरगांव नगर निगम क्षेत्र की जनता रायपुर शहर की गंदगी और कचरे को बर्दाश्त नहीं करेगी।

राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में ज्योतिष काउंसिल गठन की मांग की गई

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

आशीर्वाद भवन, रायपुर में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में देशभर के 20 शहरों से आए 50 से अधिक विद्वान ज्योतिषाचार्यों ने भाग लिया। सम्मेलन में ज्योतिष, वास्तु एवं अंक विज्ञान को सुव्यवस्थित जीवन जीने का मार्गदर्शक बताया गया।कार्यक्रम में रायपुर की प्रतिष्ठित हस्तियां, पं. लक्ष्मीकांत शर्मा (देव पंचांग), शिक्षाविद् पं. विष्णु प्रसाद शास्त्री और उज्जैन से पं. ईश्वर चंद्र दुबे ने अपने विचार प्रस्तुत किए। महाकाल धाम अमलेश्वर के संस्थापक पं. प्रियाशरण त्रिपाठी, पाराशरीय ज्योतिष संस्थान के पं. प्रफुल्ल दुबे और अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति के अध्यक्ष एस्ट्रो पं. योगेश तिवारी ने भी कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया।

ज्योतिष काउंसिल गठन की मांग- कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पं. अरुण शुक्ल ने सम्मेलन में कहा कि विद्वान पंडितों की उपस्थिति के बावजूद कंप्यूटर और अल्पज्ञान वाले पंडितों की वजह से अच्छे रिश्ते तय नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था 14 वर्षों से वैवाहिक पत्रिका प्रकाशित कर रही है, जिसमें 800-1000 बायोडाटा प्रकाशित होते हैं।

ज्योतिष विषयों पर विस्तृत चर्चा

मुंबई से आए हितेश भाई गुरुजी ने दस महा विद्याओं पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. हिना बेन जोशी ने पास्ट लाइफ रिग्रेशन और पितृ दोष निवारण पर जानकारी दी। मुंबई की डॉ. सावी केशरी ने टैरो कार्ड और राहु ग्रह के प्रभावों पर विशेष उद्बोधन दिया। रायपुर, बिलासपुर, उज्जैन, बीकानेर, कोरबा, और मुंबई सहित विभिन्न शहरों से आए विद्वानों ने ज्योतिष से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए।

विशेष सेवाएं और सहभागिता

सम्मेलन में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज और अन्य संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

होलिका दहन आज, राजधानी में चढ़ी होली की खुमारी, ग्राहकी बढ़ी

बाजारों में रंग-गुलाल और पिचकारियों की दुकानें सजी

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

राजधानी में होली की खुमारी अब धीरे-धीरे चढ़ने लगी है। शहर के प्रमुख बाजारों में रंग-गुलाल और पिचकारियों की दुकानें सज चुकी हैं, वहीं ग्राहकी भी अब बढ़ने लगी है। शहर के गोलबाजार, मालवीय रोड, बंजारी रोड, शास्त्री बाजार आदि में होली की दुकानें अच्छी ग्राहकी से गुलजार हो गया है। 13 मार्च को होलिका दहन होगा और 14 मार्च को होली पर्व मनाई जाएगी। वर्तमान में रमजान भी चल रहा है, ऐसे में शहर के बाजारों में त्योहारी खुमारी देखते ही बन रही है। बाजारों के गुलजार रहने से व्यापारियों के भी चेहरे खिले हुए हैं। शहर के गोलबाजार, मालवीय रोड, शास्त्रीबाजार में होली सामग्रियों की दुकानों में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी तरह-तरह के रंग-गुलाल लोगों की पंसद बनी हुई है। हर बार की तरह इस बार भी बाजार में हर्बल गुलाल की मांग सबसे ज्यादा है। हर्बल गुलाल में भी तरह-तरह के रंग ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। वहीं होली में मलिंगा कैप के साथ बनावटी विगों की पूरी रेंज मौजूद है। बाजार में होली को भुनाने हर तरह के रंगीन विग लोगों को लुभा रही है। मुखौटों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। केमिकल वाले रंगों से जहां आम आदमी ने किनारा कर लिया है तो वहीं दुकानदार भी पेस्ट, ट्यूब वाले पेस्ट व रंग रखने से बच रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि लोगों की पहले मांग होती थी, लेकिन पिछले कई सालों से अब इस तरह के केमिकल युक्त रंगों से लोग परहेज करने लगे हैं। यही कारण है कि अधिकतर दुकानदार इस तरह के केमिकल वाले रंग बेचने से परहेज कर रहे हैं। इधर बच्चों को लुभाने के लिए हर बार की तरह इस वर्ष भी कार्टून कैरेक्टर वाले पिचकारियों की पूरी रेंज बाजार में मौजूद है। छोटा भीम, मोटू-पतलू, बाल कृष्ण, बाल गणेश के स्टीकर वाले पिचकारियां लोगों को पसंद आ रही है।

इसके अलावा तरह के वाटर गन हर साइज में उपलब्ध है। पानी के गुब्बारे भी बच्चों को भा रहे हैं, लेकिन अधिकतर पैरेंट्स इससे परहेज कर रहे हैं। यही वजह है कि पिछले कई सालों से पानी के गुब्बारों की बिक्री में गिरावट आई है। दूसरी ओर शहर के चौक-चौराहों में होलिका दहन की तैयारियां भी तेज हो गई है।

चिकित्सा महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव यूफोरिया 2025 का हुआ रंगारंग आगाज

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के प्रसिद्ध वार्षिक उत्सव कार्यक्रम यूफोरिया इंफेस 2025 का रंगारंग आगाज हो चुका है। इसका आयोजन 12 मार्च तक चिकित्सा महाविद्यालय परिसर स्थित स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्टेडियम में किया जायेगा। इस बार फेस्टिवल की थीम है:- संस्कृति की सिम्फनी, दिलों को जोड़ना।

इंफेस उत्सव का उद्घाटन चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी, पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति जायसवाल ने किया। डीन डॉ. विवेक चौधरी ने कहा, यह कार्यक्रम परंपरा और आधुनिकता का सुंदर मिश्रण है। डॉ. अरविंद नेरल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि पूरे दिन छात्रों के चेहरे पर उत्साह और उमंग ने इसे अविस्मरणीय बना दिया। यूफोरिया कार्यक्रम की अध्यक्ष डॉ. ज्योति जायसवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण प्रेम, हंसी और एकता की भावना से भरा हुआ था। इसमें भावपूर्ण संगीत प्रदर्शन, मार्मिक कविता पाठ और नृत्य प्रदर्शन शामिल थे। छात्रों और शिक्षकों दोनों ने इस कार्यक्रम में समान रूप से अपनी भागीदारी निभाई।

गीत और नृत्य ने बांधा समां: आद्या शर्मा ने ऋतिक रोशन के गाने ऐ मेरे दिल तू गाये जा..., मुस्कान साहू ने महाभारत की थीम सांग पर और विशाखा लिलहरे ने रीमिक्स गीत उई अम्मा... पर सोलो डांस (एकल नृत्य) का प्रदर्शन किया। ट्विन सिस्टर ने क्लासिकल संगीत के रिमिक्स गानों पर युगल नृत्य किया। इसी तरह स्वप्निल सिंह सूरज, साक्षी कनौजे, अभिशांक पाल एवं प्रीतिस्मय परिडा ने ड्यूट वेस्टर्न कैटेगरी में गीत गाये।

समूह नृत्य की दो श्रेणियां थीं एक भारतीय और दूसरी पश्चिमी (वेस्टर्न)। भारतीय नृत्य में गुजराती नृत्य, पंजाबी नृत्य और हरियाणवी नृत्य शामिल था। फेस्टिवल इंफेस 2025 यूफोरिया ड्रामा (मेडिसिनिमा) और ग्रुप डांस (रिद्मनिया) और म्यूजिकल बैंड परफॉर्मेंस (मेलोडी मिंगल्स) के साथ जारी रहा। नाटक के विषय - पेशेवर दुविधा, साइबर मायाजाल और डॉक्टर के विरुद्ध हिंसा थी।इस अवसर पर छात्रसंघ अध्यक्ष आदित्य गिरि, कार्यक्रम प्रभारी तेजस्विनी बंजारा, अनुराग उपाध्याय, गायन प्रतियोगिता संयोजक डॉ. मान्या ठाकुर, डॉ. वर्षा मुगुंटवार, संगीत प्रभारी संस्कार गुप्ता शामिल रहे।

ये लोग शामिल रहे: साक्षी कनौजे, नृत्य संयोजक डॉ. स्निग्धा जैन, नृत्य प्रभारी सलोका अग्रवाल, रितेश गुप्ता, एकल और युगल नृत्य के निर्णायक डॉ. शालिनी और नाटक के निर्णायक के रूप में छत्तीसगढ़ी फिल्म के जाने - माने फिल्म डायरेक्टर श्री मनोज वर्मा और श्री शैलेंद्र धर दीवान शामिल रहे।

अवैध निर्माणों अवैध प्लाटिंग, बड़े भवनों में पार्किंग व्यवस्था पर कार्यवाही करने कहा

आयुक्त विश्वदीप ने बैठक में सी एंड डी वेस्ट पर कार्यवाही करने अभियान चलाने दिए निर्देश

पीपुल्स संवाददाता ● रायपुर
editor@peoplessamachar.co.in

आज नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने साप्ताहिक टीएल बैठक में अधिकारियों को शहर में अनेक स्थानों पर सड़कों पर दिखने वाली सी एंड डी वेस्ट पर कार्यवाही अभियान चलाकर सभी जोनों में करने और सड़कों से भवन निर्माण सामग्रियों को जब्त कर सम्बंधित भवन स्वामियों पर सड़क बाधा शुल्क जुर्माना लगाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने अधिक से अधिक मात्रा में सड़कों से भवन निर्माण सामग्रियां जब्त कर जरवाय के सी एंड डी प्लांट में भिजवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ठेकेदारों को भवन निर्माण सामग्रियों को सी एंड डी प्लांट भेजने कार्यवाही करने के निर्देश देने कहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को अवैध प्लाटिंग और अवैध निर्माण के प्रकरणों में अभियान चलाकर कार्यवाही करने निर्देशित किया है। आयुक्त ने बड़े भवनों का सर्वे कर वहां भूतल पर सुव्यवस्थित वाहन पार्किंग की व्यवस्था नियमानुसार भवन स्वामियों को निर्देश देकर सुनिश्चित करने कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को जोन कार्यालयों की व्यवस्था सुधारने और वहां आने वाले आमजनों के कार्यों को जोन स्तर पर किया जाना सुनिश्चित करने की व्यवस्था देने के निर्देश दिए हैं।

आयुक्त ने सभी जोन कमिश्नरों को कार्यालयीन दिवसों में स्वतः सुबह 10 बजे कार्यालय पहुंचना और सभी जोन अधिकारियों और कर्मचारियों का सुबह 10 बजे तक अनिवार्य रूप से ड्यूटी पर उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

ICICI Home Finance | कॉर्पोरेट कार्यालय- आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड आईसीआईसीआई एचएफसी टॉवर, अंधेरी - कुर्ला रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई- 400059, भारत
शाखा कार्यालय स्काई पार्क, ग्राउंड फ्लोर, यूनिट नंबर 1, कैनाल रोड के पास रायपुर 492001

निजी संधि के माध्यम से अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए नोटिस

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निजी संधि के माध्यम से अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री नोटिस, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(8) के साथ नियम 9(1) के साथ पठित।

आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड | आईसीआईसीआई एचएफसी। ने नीचे उल्लिखित बंधक संपत्ति की बिक्री के लिए कई ई-नीलामी आयोजित की, हालांकि, ऐसी सभी ई-नीलामी विफल रहीं। अब, एक इच्छुक खरीदार ने उक्त संपत्ति को 5,40,000/- रुपये की राशि में खरीदने के प्रस्ताव के साथ आईसीआईसीआई एचएफसी से संपर्क किया है। इसके द्वारा आम जनता को तथा विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं) एवं गारंटर(ओं) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति, जो सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित है, जिसका कब्जा आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है, उसे निजी संधि के माध्यम से, नीचे दिए गए संक्षिप्त विवरण के अनुसार "जहां है जैसी है", "जो है जैसी है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जाएगा :

स. क्र.	उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/ गारंटर/ कानूनी उत्तराधिकारी का नाम। ऋण खाता संख्या	सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण, यदि कोई हो, ज्ञात भार सहित	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / बयाना जमा राशि	दिनांक एवं दिनांक समय निरीक्षण	दिनांक एवं दिनांक नीलामी	नीलामी तिथि से एक दिन पहले	सरफेसी स्टेज
(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F)	(G)	(H)	(I)
1.	मिथिलेश सिंह (उधारकर्ता) राहुल सिंह, (सह-उधारकर्ता) मान सिंह (सह-उधारकर्ता) LHRPR00001318646	आवासीय प्लॉट क्रमांक 323 और 324, खसरा क्रमांक 1500 1/1 का हिस्सा, गीते टाउनशिप, पीएच क्रमांक 90/20, वार्ड क्रमांक 9, ग्राम सिलतरा रायपुर (छ.ग.)	रू. 21,52, 068/- मार्च 04, 2025	रू. 5,40, 000/- / रू. 54,000/-	मार्च 21, 2025 11:00 AM 03:00 PM	मार्च 28, 2025 02:00 PM 03:00 PM	मार्च 27, 2025 को 04:00 PM से पहले	भौतिक कब्जा

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी एजेंसी वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट (https://BidDeal.in) पर आयोजित की जाएगी। संभावित बोलीदाता को 27 मार्च 2025 को शाम 04:00 बजे से पहले या उससे पहले लेख के शीर्ष पर उल्लिखित आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय के पते पर बयाना राशि जमा (ईएमडी) आरटीजीएस/डिमांड ड्राफ्ट (डीडी)। (कॉलम ई देखें) जमा करनी होगी। संभावित बोलीदाता को 27 मार्च 2025 को शाम 05:00 बजे से पहले या उससे पहले लेख के शीर्ष पर उल्लिखित आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, शाखा कार्यालय के पते पर पंजीकरण फॉर्म और बोली नियम और शर्तों के फॉर्म की एक हस्ताक्षरित प्रति भी जमा करनी होगी। बयाना राशि जमा डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) एक राष्ट्रीयकृत/अनुसूचित बैंक से "आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड-नीलामी" के पक्ष में लेख के शीर्ष पर उल्लिखित शाखा कार्यालय के पते पर देय होना चाहिए।

आम जनता से अनुरोध है कि वे ऊपर उल्लिखित इच्छुक खरीदार द्वारा पेश की जा रही राशि से अधिक की अपनी बोलियां जमा करें। एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि आईसीआईसीआई एचएफसी को उपर्युक्त इच्छुक क्रेता द्वारा दी जा रही राशि से अधिक की कोई बोली प्राप्त नहीं होती है, तो बंधक संपत्ति को सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के साथ नियम 8(8) के अनुसार उक्त इच्छुक क्रेता को बेच दिया जाएगा।

निरीक्षण, बिक्री की शर्तों या बोलियों को प्रस्तुत करने के संबंध में किसी भी अन्य स्पष्टीकरण के लिए, कृपया आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से 9920807300 पर संपर्क करें।

प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई और कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

बिक्री की विस्तृत शर्तों के लिए, कृपया https://www.icicihfc.com/ पर जाएं।

दिनांक : मार्च 13, 2025
स्थान : रायपुर

प्राधिकृत अधिकारी, "आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड
CIN Number U65922MH1999PLC120106